उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

संस्कृत प्रतिभा खोज 2025

जनपदस्तरीय संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हेतु आदर्श प्रश्नोत्तर – 3

भाषा दक्षता

निर्णायकों के लिए निर्देशः-

1. संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन नियम निर्देशिका के अनुसार किया जाए। प्रतिभागियों को प्रतियोगिता आरम्भ करने के पूर्व इस प्रतियोगिता के नियम से छात्रों को अवगत करा दिया जाय।
2. गोलाकार में बैठे प्रत्येक छात्र से एक समान प्रश्न पूछे जाएं। किसी नवीन बिंदु के प्रश्नों का आरम्भ गोलाकार में बैठे प्रथम छात्र से किया जाए ।
3. प्रश्नोत्तरी में लिखित प्रश्न सरल से कठिन की ओर ले जाता है। कठिन प्रश्न कम पड़ जाने पर निर्णय करने हेतु स्वविवेक से अथवा उपस्थित छात्रों की पुस्तक से प्रश्न बनाते हुए अवशिष्ट प्रतिभागी से एक समान प्रश्न पूछा जाय।
4. निर्णायक द्वारा प्रत्येक राउंड के बाद प्रतिभागी को अबतक कुल अवसर समाप्ति की सूचना दी जाय। अभ्युक्ति में उसके नाम के सम्मुख एक अवसर समाप्ति सूचक (X) चिह्न लगाया जाय ।

संस्कृत भाषा दक्षता

वर्णमाला ज्ञान

प्रश्न के लिए उदाहरण

प्रश्न- ए ह्रस्व स्वर है अथवा दीर्घ स्वर ?

उत्तर- दीर्घ स्वर

प्रश्न- अनुस्वार तथा विसर्ग कौन सा वर्ण है, स्वर, व्यंज्ञन या अयोगवाह

उत्तर- अयोगवाह

प्रश्न - ठ वर्ण किस वर्ग का वर्ण है ?

उत्तर- ठ वर्ण टवर्ग का वर्ण है।

प्रश्न- स्वर के कितने प्रकार के होते हैं ?

उत्तर – तीन

प्रश्न- स्वर के तीनों भेद का नाम बताइये ?

उत्तर – ह्रस्व, दीर्घ तथा प्लुत ।

प्रश्न- वर्ग के पंचम वर्ण कौन-कौन हैं ?

उत्तर – ञ, म, ङ, ण, न

मात्राओं का सही ज्ञान (मात्राबोध)

प्रश्न- ह्रस्व स्वर वर्ण के उच्चारण में कितनी मात्रा का समय लगता है?

उत्तर- एक मात्रा

प्रश्न- किस स्वर वर्ण के उच्चारण में दो मात्रा का समय लगता है

उत्तर- दीर्घ स्वर वर्ण के उच्चारण में ।

प्रश्न- विसर्ग के उच्चारण में कितनी मात्रा का समय लगता है?

उत्तर- अर्ध मात्रा (आधी मात्रा)

प्रश्न- व्यञ्जन वर्ण के उच्चारण में कितनी मात्रा का समय लगता है?

उत्तर- अर्ध मात्रा (आधी मात्रा)

⏭ अगला चरण – "वर्तनी ज्ञान"

वर्तनी ज्ञान (वर्ण विच्छेद) सहित अंतिम वर्ण को बोलना ।

जैसे - कमल = क् + अ + म् + अ + ल् + अ (अकारान्त)

चार तथा पाँच वर्णों वाले शब्द

1. प्रश्न: "गज" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

   उत्तर: ग् + अ + ज् + अ (अकारान्त)

2. प्रश्न: "नदी" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

   उत्तर: न् + अ + द् + ई (ईकारान्त)

3. प्रश्न: "मित्र" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

   उत्तर: म् + इ + त् + र् + अ (अकारान्त)

4. प्रश्न: "वायु" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

   उत्तर: व् + आ + य् + उ (उकारान्त)

5. प्रश्न: "सूर्य" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

   उत्तर: स् + उ + र् + य् + अ (अकारान्त)

6. प्रश्न: "गुण" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

   उत्तर: ग् + उ + ण् + अ (अकारान्त)

7. प्रश्न: "धर्म" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

   उत्तर: ध् + अ + र् + म् + अ (अकारान्त)

8. प्रश्न: "सत्य" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

   उत्तर: स् + अ + त् + य् + अ (अकारान्त)

9. प्रश्न: "कर्म" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

   उत्तर: क् + अ + र् + म् + अ (अकारान्त)

10. प्रश्न: "अभय" यह शब्द किन-किन वर्णों के मेल से बना है?

    उत्तर: अ + भ् + अ + य् + अ (अकारान्त)

संकेत- इसी प्रकार छात्र / छात्राओं से अन्य शब्दों का वर्ण विच्छेद तथा अंतिम वर्ण पूछें-

भाषा । यथा । भाव । इति । पद । ननु । अपि । एव । भीति । मत । एषा। इव । कृति । एला । काल । तथा । देश ।

छः वर्णों वाले शब्द

प्रश्न- " सूचिका" यह पद किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर - स् + ऊ + च् + इ + क् + आ (आकारान्त)

प्रश्न- "कैतव" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – क् + ऐ + त् + अ+ व् + अ (अकारान्त)

प्रश्न- " तुलसी" यह पद किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर - तुलसी = त्+ उ+ल्+ अ+ स्+ ई (ईकारान्त)

प्रश्न- "चषकः" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – च् + अ + ष् + अ + क् + अ + विसर्ग

प्रश्न- "सौचिकः" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर –स् + औ + च् + इ + क् + अ + विसर्ग

संकेत- इसी प्रकार छात्र / छात्राओं से अन्य शब्दों का वर्ण विच्छेद तथा अंतिम वर्ण पूछें-

तथापि । केवल । सरल । लेखक । भूगोल । समिति । विदेश । विविध । कारण । पाठन । सुगम । कौशल । भारत । सहज । मौलिक । महती । भौतिकी । पतित । दुरूह । भूलेख ।

छः से अधिक वर्णों वाले शब्द

प्रश्न- "दीपावली" यह पद किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर -दीपावली = द् + ई + प् + आ + व् + अ + ल् + ई (ईकारान्त)

प्रश्न- "मरीचिका" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – म् + अ + र् + ई + च् + इ + क् + आ (आकारान्त)

संकेत- वैदेशिक । गणबोध । सरलता । राजभाषा । अवधारणा । अवधान । अनुयायी । परिशीलन । अनुवाद । अनुभव । विपरीत । लघुकथा । अनूदित ।

संयुक्ताक्षर वाले शब्द

प्रश्न- "स्यूतः" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए

उत्तर – स् + य् + ऊ+ त् + अ + विसर्ग

प्रश्न- "अमावस्या" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – अ + म् + आ + व् + अ + स् + य् + आ (आकारान्त)

प्रश्न- "धरित्री" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – ध् + अ + र् + इ + त् + र् + ई (ईकारान्त)

संकेत- दुर्लभ । उद्योग । प्रसार । सङ्केत । समग्र । सम्बद्ध । पाठ्यक्रम । शिक्षा । संस्कृत । आवृत्ति। भ्रम। आज्ञा। द्वार। क्रिया। वाक्य। आसन्दः। पृथ्वी। मात्रा। सौन्दर्य। संस्कृत। क्षिप्र। ज्योत्स्ना। उज्ज्वल। कार्तिक। समृद्धि। किञ्जल्क।

वर्णक्रम ज्ञात करना- प्रत्येक छात्र से उत्तरोत्तर शब्द पूछा जाय।

निर्णायक किसी शब्द का चयन करेंगे। उदाहरण: **"सम्बद्ध"** । प्रत्येक छात्र को क्रमशः एक-एक वर्ण बोलने के लिए कहा जाएगा।

उदाहरण के तौर पर- प्रथम छात्र: **स्** - द्वितीय छात्र: **अ** - तृतीय छात्र: **म्** - चतुर्थ छात्र: **ब्** - पांचवा छात्र: **द्** - छठा छात्र: **ध्** - इसी प्रकार आगे शब्दों के लिए प्रक्रिया दोहराई जाएगी।

1. स्थापित → स् + थ् + आ + प् + इ + त्
2. निपुणता → न् + इ + प् + उ + ण् + त् + आ
3. स्थान → स् + थ् + आ + न् + अ
4. मुख्य → म् + उ + ख् + य् + अ

संकेत-

हतोत्साहित, धनराशि, चिकित्सा, प्रतिरोधक, निर्माण, उच्चमाध्यमिक, उत्तरोत्तर, पाठ्यसामग्री, दृष्टिकोण, पत्रकारिता, शैक्षणिक, निम्नलिखित, रासायनिक, दुर्गन्ध, चिकित्सकीय ।

मात्राबोध ज्ञात करना

प्रश्न- पुरुष शब्द के रु में ह्रस्व उकार की मात्रा है या दीर्घ ऊकार की मात्रा ?

उत्तर - पुरुष शब्द के रु में ह्रस्व उकार की मात्रा है ।

1. कुशल → "कु" में ह्रस्व उकार की मात्रा है।
2. गुरु → "रु" में ह्रस्व उकार की मात्रा है।
3. सुर → "सु" में ह्रस्व उकार की मात्रा है।
4. मूर्ति → "मू" में दीर्घ ऊकार की मात्रा है।
5. भूत → "भू" में दीर्घ ऊकार की मात्रा है।

संकेत-

"रु" वर्ण वाले शब्द:

1. रुचि (आकर्षण, प्रीति) 2. रूपक (दृष्टांत, प्रतीक) 3. रुचिर (सुंदर, मनोहर) 4. रुक्म (सोना) 5. रुचिमान (आकर्षक) 6. रुच्य (सुखदायक) 7. रुज (पीड़ा) 8. रुद्र (शिव का नाम, प्रलयकारी) 9. रुत (आवाज, स्वर) 10. रुदन (रोना) करुणा।

"रू" वर्ण वाले शब्द:

1. रूप (आकार, स्वरूप) 2. रूढ़ (विस्तृत, प्रचलित) 3. रूपवान (सुंदर) 4. रूपश्री (सौंदर्य) 5. रूक्ष (शुष्क, कठोर) 6. रूचिका (अभिरुचि) 7. रूच्य (पसंदीदा) 8. रूह (चढ़ना, बढ़ना) 9. रूढिस्थ (स्थिर) 10. रूप्य (चाँदी) रूपक, मरुभूमि।

व्यञ्जनान्त वर्ण

प्रश्न- "राजन्" यह शब्द किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर - राजा = र् + आ + ज् + अ+ न् (नकारान्त)

प्रश्न- "वाच्" यह शब्द किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर -वाच् = व् + आ + च्

प्रश्न- "गृहम्" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – ग् + ऋ + ह् + अ + म् (मकार)

प्रश्न- "हृदयम्" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

प्रश्न- "पर्वन्" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – प् + अ + र् + व् + अ + न् (नकार)

अन्य विविध शब्द तथा पद

प्रश्न- "कारण्डवाः" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – क् +आ + र् + अ + ण् + ड् + अ + व् + आ + विसर्ग (आकारान्त)

प्रश्न- "अन्ये" पद का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – अ + न् + य् + ए (एकारान्त)

संकेत- इसी प्रकार छात्र / छात्राओं से अधोलिखित शब्दों, पदों का वर्ण विच्छेद तथा मात्रा का वर्ण पूछें-

ग्रन्थ । आर्ष । कर्म । अनर्थ । कर्ता । ह्रस्व । प्रथम । उत्तर । तिष्य । पुष्य । सर्पिः । उत्सर्ग । भ्रम। विभक्ति । मध्यम । उत्तम । अन्नम् । विभक्ति । लक्षण । ज्ञाति । सहस्र । शस्यम् । तद्धित। कृदन्त । प्रीति । कुण्डली। कुण्डलिका । वातायनम् । द्वारम् । मन्त्र । मञ्जूषा । अङ्ग । मण्डन । दुग्धम्। युष्मद् । अस्मद् । व्यञ्जनम् । अतसी । दधि । प्रसून । द्विदलम् । दालमुद्गः । धान्यम् । विभक्ति । लवणान्नम् । लावण्यम् । कर्कटिका । लेखनी । काञ्चनारः । उपपन्न । पिष्टिका । आर्द्रकम् । प्रतिबद्ध । मनुष्येश्वर । उच्चलितः । प्लुत । प्रगृह्य । आर्धधातुक । सम्राट् । विसृष्ट । पार्श्वद्रुमः । प्रसून । कौण्डिन्य। श्रेण्य । ईदूतौ । प्रथमा । द्वितीया । तृतीया । ऋग्वेद। यजुर्वेद। अथर्ववेद। निमित्त । परिस्थिति । शास्त्र। श्रुति। स्तुति। गार्ग्य। तार्किक। अतर्क्य। आविष्कृत । सन्धि । स्वरूप । उच्चारण । जिह्वा । प्रयत्न । व्याकरण । अत्यन्त । परिमार्जित । वैज्ञानिक ।

स्वर व्यञ्जन का ज्ञान

प्रश्न- व्यथा पद में कितने स्वर वर्ण तथा कितने व्यञ्जन वर्ण हैं ?

उत्तर- व्यथा पद में 2 स्वर वर्ण तथा 3 व्यञ्जन वर्ण हैं ।

प्रश्न - "विराम" शब्द में कितने स्वर वर्ण और कितने व्यंजन वर्ण हैं?

उत्तर- "विराम" शब्द में 3 स्वर वर्ण तथा 3 वर्ण व्यंजन वर्ण हैं।

प्रश्न - "अनुकूल" शब्द में कितने ह्रस्व स्वर वर्ण हैं?

उत्तर- "अनुकूल" शब्द में 3 ह्रस्व स्वर वर्ण हैं।

प्रश्न - "विपरीत" शब्द में कितने दीर्घ स्वर वर्ण हैं?

उत्तर- "विपरीत" शब्द में 1 दीर्घ स्वर वर्ण हैं।

प्रश्न - "उत्तर" शब्द में कितने व्यंजन वर्ण हैं?

उत्तर- "उत्तर" शब्द में 3 व्यंजन वर्ण हैं ।

प्रश्न - "दक्षिण" शब्द में कितने व्यंजन वर्ण हैं?

उत्तर- "दक्षिण" शब्द में 4 व्यंजन वर्ण हैं ।

प्रश्न- "रुद्र" यहाँ रु में किस प्रकार का स्वर है?

उत्तर - ह्रस्व

प्रश्न- "ऋतम्" इस पद में कितने तथा कौन से वर्ण स्वर हैं?

उत्तर - दो स्वर वर्ण हैं- ऋ तथा अ

प्रश्न- "कृती" में कृ में किस प्रकार का स्वर है?

उत्तर – ह्रस्व

प्रश्न- "नृणाम्" में कितने ह्रस्व स्वर हैं?

उत्तर – कोई नहीं

शुद्ध/ अशुद्ध वर्तनी । ध्वनि साम्य शब्द परिचय

वृहस्पति शब्द शुद्ध है या बृहस्पति। शुद्ध शब्द बृहस्पति

वृत्त	✓	बृत्त	वन्द्य	✓	बन्द्य	निवास	✓	निबास
वात	✓	बात	वज्र	✓	बज्र	विधान	✓	बिधान
विभाजन	✓	बिभाजन	विकल्प	✓	बिकल्प	विपत्ति	✓	बिपत्ति
विश्वास	✓	बिश्वास	वाचक	✓	बाचक	वर्धन	✓	बर्धन
वचनम्	✓	बचनम्	वलय	✓	बलय	वर्म	✓	बर्म
वाम	✓	बाम	वाङ्मय	✓	बाङ्मय	व्याकरण	✓	ब्याकरण
व्यथा	✓	ब्यथा	व्यास	✓	ब्याश	वृत्ति	✓	बृत्ति
वृषभ	✓	बृषभ						

अधोलिखित शब्द ब अक्षर से आरंभ होते हैं-

बालकः, बालिका, बलम्, बुद्धिः, बन्धुः, ब्रह्मा, बन्धनम्, बाणः, बर्हिः, ब्रह्मविद्या, बाष्पः, बाष्पिलः, बृहत्, ब्रह्माण्डम्, बकः, बद्धः, बृंहणम्

"श" अक्षर वाले संस्कृत शुद्ध शब्द:

1. वैशाखः, 2. परिश्रमः, 3. विशुद्धिः, 4. प्रशंसा, 5. अवश्यम्, 6. उपशमः, 7. निष्कर्षः, 8. विशेषः, 9. आशयः, 10. अभिषेकः, 11. शिष्यः, 12. प्रपञ्चशास्त्रम्, 13. अनुशासनम्, 14. वाक्यविश्लेषणम्, 15. शिक्षणम्।

✅ **"स" अक्षर वाले संस्कृत शुद्ध शब्द:**

1. दर्शनम्, 2. आसनम्, 3. प्रसादः, 4. विस्मयः, 5. नासिका, 6. वसन्तः, 7. हस्तः, 8. रसः, 9. बसन्तः, 10. असुरः, 11. कुसुमः, 12. अनसुवा, 13. हसति, 14. दिशासूचकः, 15. विसर्जनम्।

2. संस्कृत शब्दकोश अभ्यास (संस्कृत शब्दकोश में अक्षर-क्रम आधारित प्रश्न)

प्रस्तावना

संस्कृत शब्दकोश (कोश) के *वर्णक्रम* को विद्यार्थियों के लिए सरल एवं बोधगम्य बनाने हेतु नीचे प्रश्नों की एक रूपरेखा

प्रस्तुत की गई है। इन प्रश्नों के अभ्यास से छात्र *कोशीय क्रम* (dictionary order) को भली-भाँति समझ सकेंगे तथा उन्हें संस्कृत कोश-ग्रंथों में शब्दों की खोज में सुविधा प्राप्त होगी।

प्रश्न- शब्दकोश में "आकार" शब्द पहले आएगा या "आकृति" ?

उत्तर - आकार शब्द पहले आएगा ।

प्रश्न- शब्दकोश में "कथङ्कारम्" शब्द पहले आएगा या कथञ्चित् ?

उत्तर - "कथङ्कारम्" शब्द पहले आएगा

Q. शब्दकोश में "नयनम्" पहले आएगा या "नारी"?

A. "नयनम्" पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "उद्यानम्" पहले आएगा या "उदधिः"?

A. "उदधिः" पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "देवः" पहले आएगा या "देशः"?

A. "देशः" पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "कर्म" पहले आएगा या "कर्कश"?

A. "कर्कश" पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "मित्रम्" पहले आएगा या "मृदु"?

A. "मित्रम्" पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "गुरुः" शब्द पहले आएगा या "गुर्वी"?

A. "गुरुः" शब्द पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "प्रकाशः" पहले आएगा या "प्रकर्षः"?

A. "प्रकर्षः" पहले आएगा।

Q. शब्दकोश में "सत्यः" पहले आएगा या "सत्यम्"?

A. "सत्यः" पहले आएगा।

संकेत- कण्ठभूषा में कथम्भूत में (कण्ठभूषा) । कनिष्ठ- कन्दु में (कनिष्ठ) तुरीय - तुरीप (तुरीप)

दैनिक उपयोग के हिन्दी शब्दों के संस्कृत रूप

🏠 घर में उपयोग होने वाले शब्द

- घर गृहम् / आवासः
- दरवाज़ा द्वारम्
- खिड़की वातायनम् / गवाक्षः
- दीवार भित्तिः
- कुर्सी आसन्दी / पीठिका

- पंखा 	व्यजनम्

- दीपक 	दीपः

- जल / पानी - जलम् / अंबुः / तोयम्

- दूध 	दुग्धम्

- दही 	दधि

- चावल 	तण्डुलाः

- रोटी 	रोटिका

- सब्जी 	शाकम्

- बहन 	भगिनी

- पुत्र 	पुत्रः

- पुत्री 	पुत्री / तनया -

- आदमी 	नरः / पुरुषः -

- स्त्री 	नारी / स्त्री

- सुबह 	प्रातःकालः / उषा

- शाम 	सायंकालः

- घड़ी 	घटिका

- समय 	समयः

- सप्ताह 	सप्ताहः / सप्ताहः

- छात्र 	छात्रः

- अध्यापक 	शिक्षकः / आचार्यः

- कलम 	लेखनी

- कागज़ 	पत्रम्

शरीर के अंगों के नाम

- **प्रतियोगिता का स्वरूप:**

  1. **प्रतिभागी** एक-एक कर मंच पर आएँगे।
  2. उन्हें लिखित एक-एक **संस्कृत शब्द** दिया जाएगा (या पहले से सूची दी जा सकती है)।
  3. वे लिखित शब्द का **संस्कृत में उच्चारण करेंगे** – जैसे "जिह्वा"।
  4. उसके साथ-साथ वे **उस अंग को छूकर या अभिनय कर प्रदर्शित** करेंगे – जैसे जीभ बाहर निकाल कर दिखाना।

इसी प्रकार इनसे पूछे जा सकते हैं। यथा-

सिर – शिरः/शीर्षम् । **माथा** – ललाटम् /मस्तकम् । **दिमाग** – मस्तिष्कः । **खोपड़ी** – कपालः । **चेहरा** – मुखः । **आँख** – नेत्रम् /लोचनम् /नयनम् /चक्षुः । **पलक** – पक्ष्मः । **भौंह** – भ्रूः । **गरदन** – ग्रीवाः । **जीभ** – जिह्वाः /रसना । **मूँछ** – श्मश्रुः । **गला** – कण्ठः । **होंठ** – अधरम् । **ऊपरी होठ** – ओष्ठः । **निचला होठ** – अधरम् । **दाँत** – दन्तः ।

भाषा वै सुरवम् संस्कृत संस्थानम्

इसी प्रकार अन्य अङ्गों के नाम पूछे जा सकते हैं। यथा- स्कन्ध (कन्धा), अन्त्रम् (आँत), कनीनिका (आँख की पुतली), तर्जनी (अँगूठे के पास वाली अँगुली), पार्ष्णिः (एड़ी), जत्रु (कन्धे की हड्डी), मणिबन्धः (कलाई), रक्तम्, शोणितम् (खून), गण्डः (कनपटी), चपेटा (थप्पड़), छोटिका (चुटकी), करतलम् (हथेली)

सम्बन्धियों के नाम (हिन्दी से संस्कृत)

हिन्दी - संस्कृत **पिता** -पिता/जनकः/ तातः, **माँ** - अम्बा/माता/जननी, **दादा (बाबा)** - पितामहः, **दादी (दाई)** पितामही **परदादी–** प्रपितामही, **नाना-** मातामहः, **परनाना-** प्रमातामहः, **भाई-**भ्राता, **बड़ा भाई-**अग्रजः, **छोटा भाई-** अनुजः, **सगा भाई-**सहोदरः, **सौतेला भाई-**विमातृजः, **चचेरा भाई-**पितृव्यपुत्रः/पितृव्यजः, **ममेरा भाई-** मातुलपुत्रः/मातुलेयः, **बहिन-** भगिनी/स्वसा, **सगी बहिन-** सहोदरा, **पति-** पतिः/भर्त्ता/वरः, **पत्नी-** अर्धाङ्गिनी/पत्नी/भार्या/जाया, **मामा-** मातुलः, **मामी-** मातुली, मातुलानी, **भाभी (भौजी)** भ्रातृजाया/ प्रजावती/ भामिनी, **साला-** श्यालः, **साली-** श्याली/श्यालिका, **साढू-** श्यालिपतिः, साढोकः, **बहनोई-**आवुत्तः /भगिनीपतिः, **देवर-** देवरः, देवा, **देवरानी-** याता, **जेठ-**ज्येष्ठः, पत्यग्रजः, **जेठानी-** ज्येष्ठा **ननद-** ननान्दा, **समधिन-** सम्बन्धिनी, **सास-** श्वश्रूः, **ससुर-** श्वसुरः, **दामाद-** जामाता, **भानजी** -भागिनेयी/ स्वस्त्रीया, **दोस्त-** सखा / मित्रम् / वयस्यः / सुहृद् / सार्थी, **सहेली-** आलिः/ वयस्या/ सखी/सहचरी

फलों के नाम

अनार (दाडिमम्), **अङ्गूर** (द्राक्षा, मृद्वीका, स्वाद्वी), **अमरूद** -
(आम्रलम्/बीजपूरम् दृढबीजम/पेरुफलम्) **आँवला** (आमलकम्
/आम्रातकम्), **इलायची** (एला) **इमली** (अम्लिका) ककड़ी (कर्कटिका) **कच्चा**
फल (शलाटुः), **कटहल** (पनसम्), **करौंदा** (करमर्दः), **किशमिश** (शुष्कद्राक्षा), **कचनार** (कोविदारम्), **खीरा** (त्रपुषम्), **फूट-ककड़ी** (उर्वारुकम्), **चिरौंजी** (प्रियालम्), **छुहारा** (शुष्कखर्जूरम्, क्षुधाहरम्), **नींबू** (जम्बीरम्, निम्बुकम्), **पपीता** (मधुकर्कटी, एरण्डफलम्),**बेर** (बदरीफलम्, कर्कन्धुः), **मुसम्बी** (मातुलुङ्गः), **मूंगफली** (कलायः), **लीची** (लीचिका), **शरीफा** (सीताफलम्), **सहतूत** (तूलम्), **संतरा** (नारङ्गम्) **सिंघाड़ा** (श्रृङ्गाटकम्), **हड़** (हरीतकी) ।

पशुओं के नाम

ऊँट (क्रमेलकः, उष्ट्रः), काला हिरण (कृष्णसारः), एक वर्ष का बछड़ा (वष्कयः), कुत्ता (कुक्कुरः, सारमेयः), शिकारी कुत्ता (कालेयकः), खरगोश (शशः), गाय (धेनुः, गौः), गिलहरी (चिक्रोडः, काष्ठमार्जारः, वृक्षमार्जारः), घड़ियाल (ग्राहः), चीता (चित्रकः, शार्दूलः), तेन्दुआ (तरक्षः), बकरा (अजः, छागः), बन्दर (कपिः, शाखामृगः, कीशः, वानरः), बैल (बलीवर्दः, वृषभः), लङ्गूर (लाङ्गुलिः), हिरन (हरिणः, मृगः) हथिनी (करिणी, हस्तिनी), हाथी का बच्चा (कलभः, करिशावकः), लोमड़ी (लोमशा, लोमाली, लोमशः), भेड़ (मेषः, एडकः, ऊर्णायुः), भेड़िया (वृकः, ईहामृगः), बाघिन (व्याघ्री), नीलगाय (गवयः, वनधेनुः), कछुआ (कच्छपः, कूर्मः)

भोज्य एवं पेय पदार्थों के नाम

प्रश्न- मक्खन को संस्कृत में क्या कहते हैं?

नवनीतम् ।

प्रश्न पूछने हेतु संकेत-

गेहूँ- गोधूमः । **घी**- घृतम्, आज्यम्, सर्पिः । **चटनी**– अवलेहः । **चना**-चणकः ।**चमचम**- चमनम् । **चाय** - चायम् । **चावल** - तण्डुलः ।**चिउड़ा**- चिपिटान्नम् । **चीनी**-सिता । **जलपान**- जलपानम्, अल्पाहारः, स्वल्पाहारः । **जलेबी** - कुण्डली, कुण्डलिका । **जौ**-यवः । **टाफी**- गुल्यः । **टी-पार्टी** - सपीतिः प्रीतिभोजः । **टोस्ट**- मृष्टापूपः । **ठण्डा** – शीतलम्, शीतम् ।**डबलरोटी** - अभ्यूषः ।**तरकारी, सब्जी** - व्यञ्जनम्, शाकम् । **ताजा**- अभिनवः । **तिल**- तिलः ।**तीसी**- अतसी। **दही** -दधि । **दहीबड़ा**- दधिवटकः । **दाल(कच्ची दली हुई)**- द्विदलम् । **दाल (पकी)** - सूपः । **दालभरी पूरी**- शष्कुली । **दालमोट** - दालमुद्गः । **दूध** - दुग्धम्, पयः । **धान**- धान्यम्, शालिः । **नमकीन** - लवणान्नम्, लावण्यम् । **नशा**- मदः, मत्तता ।**पकवान** - पक्वान्नम् । **पका अन्न**- सिद्धान्नम् । **परबल** - पटोलम् । **पराठा**- पोलिका, प्ररोटिका, प्ररोटः । **पानी**- जलम्, नीरम्, पयः । **पेड़ा**– पिण्डः। **प्याज** - पलाण्डुः । **प्रातःकालीन जलपान**– प्रातराशः।**फुलौरी**- माषवटी, पोटली, पुष्पवटी । **बड़ा** - वटकः । **बताशा** - वाताशः । **बरफी** - हैमी । **बर्फ** - हिमम् ।**बालुशाही** - मधुमण्ठः । **बिस्कुट** - पिष्टकः । **बैगन**- वृन्ताकम्, भण्टाकी । **भात** - ओदनम्, भक्तम् ।**भाँग** - भङ्गा, मातुलानी । **भिंडी**– भिण्डकः । **मकई** - मकायः । **मक्खन**-नवनीतम्।**मटर**- वर्तुलः, कलायः । **मठरी**- मठरम् । **मलाई** – सन्तानिका ।

वृक्षों के नाम

छात्रों से वृक्षों का संस्कृत नाम पूछा जाय-

आम- आम्रः **बरगद** - वटः या पर्कटी **पीपल** - अश्वत्थः **नीम** - निम्बः **बांस**- वेतसः **देवदार** - देवदारुः या देववृक्षः **चीड़**- भद्रदारुः **चंदन**- चन्दनम् **पेड़** – वृक्षः, तरुः, **बरगद** – वटः, ताड़ – तालः, **खजूर**– खर्जूरम् खर्जुरा, भूमिखर्जूरिका, दुरारोहा, स्वादुमस्तका, **शीशम** – शिंशपा, **अशोक**– अशोकः, **सागौन**– किंशुकः, **गूलर** – उदुम्बरम्, प्लक्षः, **करञ्ज** – करञ्जः, **बबूल**– कण्टकवृक्षः, कोकरः, बर्बुरः, **इमली**– अम्लिका, तिंतिडी, **अखरोट** – अक्षोटः, **रेड़** – एरण्डः, **महुआ** – मधुकः, **सेमर** – शाल्मलिः ।

वस्त्रों के नाम

ऊनी - रांकवम्, ऊर्णम् । ओढ़नी – प्रच्छदपटः। ओभरकोट-वृहतिका। अंगरखा – अंगरक्षिका । अंगोछा-गात्रमार्जनी । कम्बल – कम्बलः । कपड़ा –वस्त्रम्, चीरम्, वसनम् । कोट-प्रावारः । कुरता - कञ्चुकः, निचोलः । गद्दा-तुलसंतरः । गलेबन्द / टाई – गलबन्धनांशुकम् । चादर – शय्याच्छादनम् । चोली – कंचुकी। जाँघिया – अर्धोरुकम् । टोपी – शिरच्छदः । धोती – अधोवस्त्रम् । पगड़ी – उष्णीषम् । परदा-यवनिका, तिरस्करिणी । पायजामा – पादयामः । पेटीकोट – अन्तरीयम् । पैंट – आप्रपदीनम् । बिछौना - शय्या, आस्तरणम् । मोजा - पादत्राणम्, रजाई - तूलिका, नीशारः । रुमाल – करवस्त्रम् । शेरबानी-प्राबारकम् । सलवार-स्यूतवरः । साड़ी-शाटिका । सूती - कार्पासम्, स्वेटर-ऊर्णावस्त्रम् ।

प्रचलित विदेशी शब्द का संस्कृत शब्द

विदेशी शब्द संस्कृत शब्द

Q: **अंगूठी** को संस्कृत में क्या कहते हैं? A: अङ्गुलीयकम्

Q: **अंग्रेज** का संस्कृत शब्द क्या है? A: आङ्ग्लः

Q: **अंग्रेजी** को संस्कृत में क्या कहा जाता है? A: आङ्ग्लभाषा

Q: **अखबार** का संस्कृत पर्याय क्या है? A: समाचारपत्रम्

Q: **अगर** शब्द का संस्कृत शब्द? A: यदि

Q: **अदालत** को संस्कृत में क्या कहते हैं? A: न्यायालयः

Q: **आदमी** का संस्कृत शब्द? A: मानवः / नरः / मनुष्यः

Q: **आप** को संस्कृत में क्या कहा जाता है? A: भवान्

Q: **आफ़त** को संस्कृत में क्या कहते हैं? A: आपात् / दुर्घटना

Q: **आबरू** का संस्कृत पर्याय? A: अभिमानः

Q: **आमदनी** को संस्कृत में क्या कहते हैं? A: आय

Q: **आलू** को संस्कृत में क्या कहते हैं? A: आलुकम्

Q: **आवारा** शब्द का संस्कृत शब्द? A: भ्रान्तः

Q: **आसमान** का संस्कृत अनुवाद क्या है? A: आकाशः / गगनम्

Q: **इंडिया** का संस्कृत नाम? A: भारतम्

Q: **उस्ताद** को संस्कृत में क्या कहा जाता है? A: गुरुः / शिक्षकः / निर्देशकः

Q: **एग्रीकल्चर** को संस्कृत में क्या कहा जाता है? A: कृषिः

Q: **एग्रोनॉमी** का संस्कृत शब्द? A: कृषिविज्ञानम्

Q: **एहसान** का संस्कृत अनुवाद? A: कृपा

Q: **ऐनक** को संस्कृत में क्या कहते हैं? A: उपनेत्रम्

Q: **ऑपरेशन** का संस्कृत शब्द? A: शल्यचिकित्सा

Q: **ऑफिसर** को संस्कृत में क्या कहा जाता है? A: अधिकारी

Q: **औरत** का संस्कृत शब्द? A: स्त्री / नारी

अंगूठी - अङ्गुलीयकम्, **अंग्रेज** - आङ्ग्लः, **अंग्रेजी** - आङ्ग्लभाषा, **अखबार** - समाचारपत्रम्, **अगर** - यदि, **अदालत** - न्यायालयः, **अपील** - पुनरावेदनम्, **अमरूद** - आम्रलम्/बीजपूरम्/दृढबीजम/पेरुफलम्, **अमरूद (वृक्ष)** - बीजपूरः, **अलमारी** - कपाटिका, **अस्पताल** - चिकित्सालयः/रुग्णालयः, **आईना** - दर्पणः, **आइस क्रीम** - पयोहिमम्, **आदमी** - मानवः/नरः/मनुष्यः, **आप** - भवान्, **आफ़त** - आपात्/दुर्घटना, **आबरू** - अभिमानः, **आमदनी** - आय, **आलू** - आलुकम्, **आवारा** - भ्रान्तः, **आसमान** - आकाशः/गगनम्, **इंडिया** - भारतम्, **इरादा** - मतिः, **इशारा** - सङ्केतः, **तारीख** - दिनाङ्कः, **तेज** - द्रुत/तीव्र, **तोप** - तोपः, **दफ्तर** - कार्यालयः, **दरवाजा** - द्वारम्, **दर्जी** - सौचिकः, **दलाल** - शुल्काजीवः, **दवा** - ओषधिः/औषधम्, **दीवार** - भित्तिः, **दुकान** - आपणः, **नगाड़ा** - दुन्दुभिः, **नमक** - लवणम्/सैन्धवम्, **नर्स** - परिचारिका/अनुवैद्या, **पुलिस** - आरक्षकः/आरक्षी, **बुखार** - ज्वरः, **बुनियाद** - आधारः, **बुलबुल** - बुलबुलः, **बूट** - उपानहः, **बेकार** - वृथा, **बेगम** - भार्या/पत्नी, **बैटरी** - विद्युत्कोषः, **बेड** - शय्या, **ब्लाउज** - कञ्चुलिका, **मकान** - गृहम्, **मजदूर** - श्रमिकः, **मजहब** - पन्थः/धर्मः, **मजिस्ट्रेट** - दण्डाधिकारी, **माचिस** - अग्निपेटिका, **मानसून** - वर्षर्तुः, **मुश्किल** - काठिन्यम्, , **सूरज** - सूर्यः/भानुः/रविः/दिनकरः, **सैंडविच** - सम्पुटाशः, **स्कूल** - विद्यालयः/पाठशाला, **स्टेशन** - स्थानकम्, **हकीम** - वैद्यः, **हज़म** - पाचनम्, **हिंदुस्तान** - भारतम्, **हैट** – शिरस्त्राणम्

संख्या-ज्ञानम्

1. **प्रश्न:** ‘60’ को संस्कृत में क्या कहते हैं?

   उत्तर: षष्टिः

2. **प्रश्न:** ‘70’ को संस्कृत में क्या कहते हैं?

   उत्तर: सप्ततिः

3. **प्रश्न:** ‘80’ को संस्कृत में क्या कहते हैं?

   उत्तर: अष्टतिः

4. **प्रश्न:** ‘90’ को संस्कृत में क्या कहते हैं?

   उत्तर: नवतिः

5. **प्रश्न:** ‘100’ को संस्कृत में क्या कहते हैं?

   उत्तर: शतम्

प्रश्न- पञ्च से लेकर नव तक संख्यावाची शब्द बोलिए-

उत्तर – पञ्च, षट्, सप्त, अष्टौ या अष्ट, नव ।

प्रश्न- षट् से लेकर एकादश तक संख्यावाची शब्द बोलिए-

उत्तर - षट्, सप्त, अष्टौ या अष्ट, नव, दश, एकादश ।

प्रश्न- दश से लेकर षोडश तक संख्यावाची शब्द बोलिए-

उत्तर - दश, एकादश, द्वादश, त्रयोदश, चतुर्दश, पंचदश, षोडश।

प्रश्न- नवनवतिःके पूर्व कौन संख्या आती है?

उत्तर – (अष्टनवतिः/ अष्टानवतिः)

संकेत- इसी प्रकार अन्य प्रश्न पूछने हेतु अधोलिखित संख्या दी जा रही है।

सप्तदश, अष्टादश, नवदश/ऊनविंशतिः,

एकोनविंशतिः, विंशतिः, एकविंशतिः, द्वाविंशतिः, त्रयोविंशतिः, चतुर्विंशतिः, पंचविंशतिः, षड्विंशतिः, सप्तविंशतिः, अष्टा विंशतिः, नवविंशतिः/एकोनत्रिंशत्/ऊनत्रिंशत्, त्रिंशत् ।

प्रश्न- 10 संख्या का बाद एक शून्य लगाने पर संस्कृत में कौन सी संख्या बनती है?

उत्तर – संस्कृत में इसे कहा जाता है- **शतम्**

संकेत- पञ्चविंशतिः – पचीस, षड्विंशतिः – छब्बीस, एकादश –ग्यारह, द्वादश – बारह, त्रयोदश – तेरह, चतुर्दश – चौदह, एकत्रिंशत् – इकतीस, द्वात्रिंशत् –बत्तीस, त्रयस्त्रिंशत्- तैंतीस, चतुस्त्रिंशत्- चौंतीस, पञ्चत्रिंशत् – पैंतीस, अष्टपञ्चाशत् (अष्टापञ्चाशत्) अठावन, नवपञ्चाशत्, ऊनषष्टिः या एकोनषष्टिः – उनसठ, षष्टिः – साठ, एकषष्टिः – इकसठ, द्वाषष्टिः (द्विषष्टिः) – बासठ, त्रयःषष्टिः (त्रिषष्टिः) - तिरसठ

रंगों के नाम

प्रश्न: सफेद रंग को संस्कृत में क्या कहते हैं?

उत्तर: सफेद को संस्कृत में श्वेतः, शुक्लः, अर्जुनः, धवलः कहते हैं।

प्रश्न: हरे रंग को संस्कृत में क्या कहते हैं?

उत्तर: हरे को संस्कृत में पलाशः, हरितः कहते हैं।

प्रश्न: लाल रंग को संस्कृत में क्या कहते हैं?

उत्तर: लाल को संस्कृत में रक्तवर्णः, लोहितः, रक्तः कहते हैं।

प्रश्न: काले रंग को संस्कृत में क्या कहते हैं?

उत्तर: काले को संस्कृत में कालः, श्यामः, कृष्णः कहते हैं।

प्रश्न: पीले रंग को संस्कृत में क्या कहते हैं?

उत्तर: पीले को संस्कृत में हरिद्राभः, पीतः कहते हैं।

प्रश्न: नीले रंग को संस्कृत में क्या कहते हैं?

उत्तर: नीले को संस्कृत में नीलः कहते हैं।

सफेद = श्वेतः, शुक्लः, अर्जुनः, धवलः। **हरा** = पलाशः, हरितः। **बैंगनी** = धूमलवर्णः। **लाल** = रक्तवर्णः, लोहितः, रक्तः। **काला** = कालः, श्यामः, कृष्णः। **नारंगी** = नारङ्गवर्णः, कौसुम्भः, नारिङ्गः। **नीला** = नीलः। बैंगनी = धूमलवर्णः, धूम्रवर्णः, शोणः। **गुलाबी** = श्वेतरक्तः, पाटलः। **पीला** = हरिद्राभः, पीतः।

इसी तरह क अक्षर, न अक्षर आदि से पूछा जाय ।

समयवाचक शब्द

घड़ी = घटिका / घटिः

समय = समयः

बजे = वादनम्

घंटा = होरा

मिनट = निमेषः

सेकेन्ड = क्षणम्

पौने = पादोन

सवा = सपाद

साढे = सार्धम्

अधिक = अधिकम्

कम = न्यूनम् अथवा ऊनम्

01 से लेकर 12 बजे तक का समय पूछना

चार बजे = चतुर्वादनम्

12 बजे = द्वादशवादनम्

सवा (सपाद) का समय पूछना

(1) सवा छः बजे = सपाद-षड्वादनम् (6 बजकर 15 मिनट)

(2) सवा सात बजे = सपाद-सप्तवादम् (7 बजकर 15 मिनट)

साढ़े (सार्ध) का समय पूछना-

(1) साढ़े छः बजे = सार्ध- षड्वादनम् (6 बजकर 30 मिनट)

(2) साढ़े बारह बजे = सार्ध- द्वादशवादनम् (12 बजकर 30 मिनट)

पौने (पादोन) का समय पूछना-

(1) पौने ग्यारह बजे – पादोन-एकादशवादनम् (10 बजकर 45 मिनट)

(2) पौने बारह बजे – पादोन-द्वादशवादनम् (11 बजकर 45 मिनट)

अधिकम् और न्यूनम् या ऊनम् युक्त समय पूछना

(1) 11 बजकर 11 मिनट = एकादश अधिकम् एकादश-वादनम्

(2) 12 बजकर 04 मिनट = चतुरधिकं द्वादश-वादनम्

(3) 06 बजने में 10 मिनट कम = दश न्यूनं षड्वादनम्

(4) 08 बजने में 12 मिनट कम = द्वादश न्यूनम् अष्टवादनम्

पर्यायवाची शब्द (संस्कृत में)

प्रश्न- " शिक्षकः " इसका एक समानार्थक पद बोलें।

उत्तर - आचार्यः

प्रश्न- " सूर्यः" का एक पर्यायवाची पद बोलें।

उत्तर - आदित्यः

प्रश्न- संस्कृत का कोई दो पर्यायवाची बोलें।

उत्तर- भारती, अमरभारती, अमरवाणी, सुरभारती, सुरवाणी, गीर्वाणवाणी, गीर्वाणी, देववाणी, देवभाषा

प्रश्न- " नदी" का एक पर्यायवाची पद बोलें।

उत्तर – सरित्, पयस्विनी, निम्नगा, स्रोतस्विनी ।

प्रश्न - "मेघ" का एक पर्यायवाची शब्द बोलें।

उत्तर – वारिद, जलद, पयोद ।

प्रश्न - "समुद्र" का एक पर्यायवाची शब्द बोलें।

उत्तर – सागर, जलधि, पयोधि, वारिधि

प्रश्न - "हस्त" का एक पर्यायवाची शब्द बोलें।

उत्तर – कर, पाणि ।

प्रश्न - "गो" का एक पर्यायवाची शब्द बोलें।

उत्तर – सुरभि, धेनु, भद्रा ।

विलोम शब्द (संस्कृत से संस्कृत)

प्रश्न- “अंतरंगम्" इस पद का विपरीतार्थक पद बोलें।

उत्तर – बहिरंगम्

प्रश्न- "अज्ञः" इस पद का विपरीतार्थक पद बोलें।

उत्तर – विज्ञः

प्रश्न- "अत्र" इस पद का विपरीतार्थक पद बोलें।

उत्तर – तत्र

प्रश्न- "पुरातनः" इस पद का विपरीतार्थक पद बोलें।

उत्तर –अधुनातनः

प्रश्न- "अन्तर्मुखी" इस पद का विपरीतार्थक पद बोलें।

उत्तर – बहिर्मुखी

प्रश्न- "कटुः" इस पद का विपरीतार्थक पद बोलें।

उत्तर - मृदुः

प्रश्न- "दीर्घः" का विरुद्धार्थक पद बोलें।

उत्तर – ह्रस्वः

विरुद्धार्थक पद पूछने हेतु संकेत-

मृदुः (कठोरम्) स्वस्थः (अस्वस्थः) नीतिः (अनीतिः) धर्मः (अधर्मः) श्वेतः (कृष्णः) आदानम् (प्रदानम्) साक्षरः (निरक्षरः) अनुकूलः (प्रतिकूलः) उदयः (अस्तः) आगमनम् (गमनम्) उत्थानम् (पतनम्) क्रयः (विक्रयः) कृतज्ञः (कृतघ्नः) तीव्रम् (मन्दम्) प्रत्यक्ष (परोक्ष) पापम् (पुण्यम्) मित्रम् (शत्रुः) साकारः (निराकारः) सुलभः (दुर्लभः) अन्तः (वाह्य) जन्म (मृत्यु) उदीची (अवाची) सुरूपम् (कुरूपम्) प्राचीनम् (नवीनम्) भृत्यः (स्वामी)

3. ⏭ **अगला चरण – "लिंग ज्ञान"**

शब्द का लिंग

प्रश्न- पिपीलिका किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर - पिपीलिका स्त्रीलिंग का शब्द है ।

प्रश्न- अङ्ग किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर - अङ्ग नपुंसक लिंग का शब्द है ।

प्रश्न- 'सूर्य' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर –पुंलिङ्ग

प्रश्न- 'अनुजः' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर –पुंलिङ्ग

प्रश्न- 'विडाल' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर –पुंलिङ्ग

प्रश्न- 'मार्गः' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर –पुंलिङ्ग

प्रश्न- 'उत्सव' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर –पुंलिङ्ग

प्रश्न- 'शुक' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर –पुंलिङ्ग

प्रश्न- 'कृषक' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर –पुंलिङ्ग

प्रश्न- 'पूर्वाह्न' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर –पुंलिङ्ग

प्रश्न- 'हाहा' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर –पुंलिङ्ग

प्रश्न- 'विधु' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर –पुंलिङ्ग

प्रश्न- 'अञ्जलि' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर –पुंलिङ्ग

प्रश्न- 'करिन्' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर – पुंलिङ्ग

प्रश्न- 'शशिन्' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर – पुंलिङ्ग

प्रश्न- 'आत्मन्' किस लिंग का शब्द है ?

उत्तर –पुंलिङ्ग

पुंलिङ्ग शब्द

- सूर्यः, अनुजः, विडाल, शुक, कृषक, हरित, पीत, पूर्वाह्न, पक्षिणः, मोदकः, मधुमष्टः, पिण्डः,मिष्टपाकः, कृपाणः, हिमालय, कुडवः, पणः, भवान्, मुनि, पति, भानु, गुरु, महान्

स्त्रीलिंग शब्द - नासिका, सूची, मातुली, मातामही, भगिनी, तनू, विद्युत्, रात्रि, क्षितिः, जननी, दुग्धपूपिका, कूर्चिका, चक्रिका, सूचिका, भूमि, दिश्, एषा, मति, धेनुः, महती

नपुंसक लिंग शब्द

- चित्र, पत्र, गीत, गृह, आम्र, पुष्प, कमल, तक्र, शरीर, विष, पाप, रूप, रसगोलक, नैमिषारण्यम्, संयावकम्, कुटुम्बक, वारि, जल, यशः, युद्ध, मित्र, ज्ञान, शरीर, निधान, जगत्, नाम, मनः, पयः, मधु

⏭ **अगला चरण – "सर्वनाम शब्द"**

सर्वनाम शब्द

प्रश्न- सः किस सर्वनाम शब्द का रूप है ?

उत्तर - तत् सर्वनाम शब्द का रूप है ।

वाक्य में सर्वनाम पद को पहचानना।

1. तव पुस्तकं कुत्र अस्ति?

सर्वनाम पदः- **तव**

2. अहं विद्यालयं गच्छामि।

सर्वनाम पदः- **अहं**

3. सः गुरुः आगच्छति।

सर्वनाम पदः **सः**

4. एते जनाः क्रीडायाम् सम्मिलन्ति।

सर्वनाम पदः **एते**

5. कस्य मित्रं आगतम्?

सर्वनाम पदः **कस्य**

6. यदा त्वं आगमिष्यसि, तदा गृहम् शोभनम् भविष्यति।

सर्वनाम पदः **त्वं**

7. अस्माकं गृहम् अतीव सुन्दरम् अस्ति।

सर्वनाम पदः **अस्माकं**

8. उपवेशनं मम प्रियं।

सर्वनाम पदः **मम**

9. एषः बालकः पठनं करिष्यति।

सर्वनाम पदः **एषः**

10. किं वयं उद्यानं गच्छामः?

सर्वनाम पदः **वयं**

4. ✅ **क्रियानुकृति (अभ्यास / गतिविधि) को दर्शाने वाले संकेत व वाक्यांश**

क्रियाओं की पहचान व प्रयोग का अभ्यास – क्रियानुकृति

🌟 **उद्देश्यः**

विद्यार्थियों में संस्कृत क्रियापदों की पहचान, उच्चारण और भावभंगिमा के साथ प्रदर्शन की क्षमता विकसित करना।

"कुरु क्रियां संस्कृतेन!" (संस्कृत में क्रिया करो!)

🔹 **प्रतियोगिता का स्वरूपः**

1. **प्रतिभागी** एक-एक कर मंच पर आएँगे।
2. उन्हें एक-एक **संस्कृत क्रियापद** दिया जाएगा (या पहले से सूची दी जा सकती है)।
3. वे उस क्रिया का **संस्कृत में उच्चारण करेंगे** – जैसे "हसति"।
4. उसके साथ-साथ वे **उस क्रिया का अभिनय** भी करेंगे – जैसे हँसना दिखाना।
5. निर्णायक मण्डल उच्चारण तथा भावाभिव्यक्ति के आधार पर अंक देंगे।

क्रम | क्रियापद (धातु-रूप) | अर्थ (हिन्दी में)

क्रम | उत्तम पुरुष एकवचन (अहं रूप) | अर्थ (हिन्दी)

1 श्रृणोमि मैं सुनता हूँ

2 पाठयामि मैं पढ़ाता हूँ

3 क्रीडामि मैं खेलता हूँ

4 तिष्ठामि मैं बैठता हूँ

5 दर्शयामि मैं दिखाता हूँ

6 धारयामि मैं पहनता हूँ / धारण करता हूँ

7 क्षालयामि मैं धोता हूँ

8 पचामि मैं पकाता हूँ

9 मार्जयामि मैं साफ करता हूँ / झाड़ू लगाता हूँ

10 जपामि मैं जप करता हूँ / बुदबुदाता हूँ

वचन

प्रश्न- संस्कृत में कितने वचन होते हैं ? **उत्तर-** 3

प्रश्न- संस्कृत के तीनों वचनों का नाम बताईये ?

उत्तर - एकवचन, द्विवचन तथा बहुवचन ।

प्रश्न- जवनिका शब्द का प्रथमा द्विवचन का रूप बोलिए ? **उत्तर** - जवनिके

प्रश्न- "सिंहौ गर्जतः" इसे बहुवचन का वाक्य बनाकर बोलिए ? **उत्तर** - सिंहाः गर्जन्ति ।

प्रश्न- "गायकाः गायन्ति" इसे एकवचन का वाक्य बनाकर बोलिए ?

उत्तर - गायकः गायति ।

प्रश्न- मातरः का विभक्ति तथा वचन बोलिए।

उत्तर - प्रथमा विभक्ति, बहुवचन।

इसी प्रकार अन्य शब्दों में विभक्ति तथा वचन पूछें-

आत्मनाम् (षष्ठी बहुवचन), राज्ञा (तृतीया एकवचन), विदुषः (पुंलिंग में द्वितीया बहुवचन तथा पञ्चमी/षष्ठी एकवचन । नपुंसक लिंग में पञ्चमी/षष्ठी एकवचन), मात्रोः (पञ्चमी/षष्ठी), वाचे (चतुर्थी एकवचन), सरिति (सप्तमी एकवचन), दिशाम् (षष्ठी बहुवचन), जगन्ति (प्रथमा बहुवचन), पयोभ्याम् (तृतीया/चतुर्थी/पञ्चमी द्विवचन), मनसी (द्वितीया द्विवचन), भवन्तम् (द्वितीया एकवचन), अमून् (द्वितीया बहुवचन), अमूषु (सप्तमी बहुवचन), विशालैः (तृतीया बहुवचन), शोभने (सप्तमी एकवचन), लघुनी (प्रथमा/द्वितीया द्विवचन), रमायै (चतुर्थी एकवचन), भानुभ्यः (चतुर्थी/पञ्चमी बहुवचन), पत्या (तृतीया एकवचन), गुर्वोः (पञ्चमी/षष्ठी द्विवचन), पितरौ (प्रथमा/द्वितीया द्विवचन), नदीभिः (तृतीया बहुवचन),

शब्द का लिंग तथा वचन

प्रश्न- एषः कः का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - पुल्लिंग शब्द, एकवचन।

प्रश्न- एषा का इस वाक्य का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - स्त्रीलिंग, एकवचन।

प्रश्न- एतौ कौ इस वाक्य का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - पुल्लिंग शब्द, द्विवचन।

प्रश्न- एते के इस वाक्य का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - स्त्रीलिंग, द्विवचन।

प्रश्न- एतानि चित्राणि इस वाक्य का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - नपुंसकलिंग, बहुवचन।

प्रश्न- केशाः का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - पुल्लिंग शब्द, बहुवचन।

प्रश्न- ग्रामण्यौ का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग शब्द, द्विवचन।

प्रश्न- सेतू का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - पुल्लिंग शब्द, प्रथमा तथा द्विवचन।

प्रश्न- हनुः का लिंग तथा वचन बोलिए।

उत्तर - स्त्रीलिंग शब्द, एकवचन।

प्रश्न- संख्यावाची **एक** शब्द का प्रथमा विभक्ति के तीनों लिंग में रूप बताईये ?

उत्तर - एकः, एका एकम् ।

संकेत-

पुंलिंग शब्द-

सुधी, प्रधी, ग्रामणी, नी, यवक्री, सुधी, सुखी, ऊरु (जाँघ), जन्तु, मृत्यु, ऋतु, हेतु (कारण), तरु (वृक्ष), ऋतु, इषु (बाण), अंशु (किरण), वाहु, सेतु (पुल), सूनु (पुत्र), कटु, कर्तृ, पितृ, देवृ (देवर), भर्तृ, अध्येतृ, जेतृ, द्रष्टृ, पठितृ , स्तोतृ, होतृ, नेतृ ।

स्त्रीलिंग शब्द-

गति, शुद्धि ,भक्ति, रुचि, शक्ति, श्रुति, रुचि, स्मृति, शान्ति, नीति, रात्रि, जाति, मति, तनु, (शरीर) रेनु, (धूल) हनु (ठुड्डी), मातृ, यातृ (देवरानी) दुहतृ (लड़की)।

नपुंसकलिंग शब्द-

मित्र, वन, अरण्य, मुख, कमल, कुसुम, पुष्प, नक्षत्र, पत्र, जल, गगन, शरीर, पुस्तक, ज्ञान, दारु, जानु, (घुटना) तालु, मधु ।

5. उच्चारण स्थान तथा शब्द ज्ञान

वर्णों के उच्चारण स्थान

प्रश्न- "चवर्ग" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – तालु

प्रश्न- "ण" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – मूर्धा

प्रश्न- "ॠ" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – मूर्धा

प्रश्न- "ऐ" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – कण्ठ तालु

प्रश्न- "लृ" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – दन्त ।

प्रश्न- “चण्डी” में कितने तथा कौन से मूर्धन्य स्वर हैं?

उत्तर – दो - ण् तथा ड्

प्रश्न- “शाखा” में शकार का उच्चारण स्थान क्या हैं?

उत्तर – तालु उच्चारण स्थान क्या हैं।

प्रश्न - माहेश्वर सूत्रों की संख्या कितनी हैं ?

उत्तर – 14

प्रश्न- स्पर्श संज्ञक वर्णों में किस-किस वर्ग के वर्ण आते हैं ?

उत्तर – कवर्ग, चवर्ग, टवर्ग, तवर्ग तथा पवर्ग

प्रश्न- ऊष्म संज्ञक वर्णों में कौन-कौन वर्ण आते हैं ?

उत्तर– श, ष, स, ह

प्रश्न- श, ष, य, ह इनमें से अन्तःस्थ व्यञ्जन कौन सा है?

उत्तर - य अन्तःस्थ व्यञ्जन है ।

सङ्केत-

य (तालु) ल (दन्त) (कण्ठ – अ क ख ग घ ङ ह विसर्ग), (तालु – इ च छ ज झ ञ य श), (मूर्धा – ॠ ट ठ ड ढ ण र ष), (दाँत – लृ त थ द ध न ल स), (ओष्ठ – उ प फ ब भ म उपध्मानीय प, फ) (कण्ठ-तालु – ए ऐ) (कण्ठ-ओष्ठ – ओ औ) (मुख-नासिका – ङ ञ ण न म) (दन्त-ओष्ठ – व) (जिह्वामूल – जिह्वामूलीय क, ख) (नासिका – अनुस्वार)

इसी तरह अधोलिखित पद में आये वर्णों का उच्चारण स्थान पूछें-

काष्ठ, (क् + आ + ष् + ठ् + आ) यान, परिधान, पुस्तिका, सैनिक, नायक, पुरुष, सहयोग ।

वचन ज्ञान

वद (मध्यम पुरुष एकवचन), वदिष्यावः उत्तमपुरुष द्विवचन), वत्स्यथ (मध्यम पुरुष बहुवचन), दत्ताम् (प्रथम पुरुष द्विवचन), दद्युः (प्रथमपुरुष बहुवचन), कथयतम् (मध्यम पुरुष द्विवचन), कथयेम (उत्तम पुरुष बहुवचन), पश्येः (मध्यम पुरुष एकवचन), द्रक्ष्यतः (प्रथम पुरुष द्विवचन) अनयः (मध्यम पुरुष द्विवचन), नेष्यथः (मध्यमपुरुष द्विवचन), नयतात् (प्रथम/मध्यम पुरुष एकवचन), याचावहै (उत्तम पुरुष द्विवचन), अयाचे (उत्तम पुरुष एक वचन), तिष्ठेम (उत्तम पुरुष बहुवचन)

पुरूष ज्ञान

प्रश्न- संस्कृत में पुरुषों की कितनी संख्या है ?

उत्तर- 3

प्रश्न- संस्कृत के तीनों पुरुषों का नाम बताईये ?

उत्तर -प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष तथा उत्तम पुरुष

प्रश्न- तत् किस पुरूष का शब्द है ?

उत्तर - तत् शब्द प्रथम पुरूष का शब्द है।

प्रश्न- अहम् किस पुरुष का पद है ?

उत्तर - अहम् उत्तम पुरूष का पद है।

विभक्ति की पहचान

प्रश्न- "मुनयः" किस शब्द का रूप है?

उत्तर- मुनि शब्द का बहुवचन

प्रश्न- "पितृ" शब्द का प्रथमा विभक्ति तीनों वचन का रूप बताइये?

उत्तर- पिता पितरौ पितरः

प्रश्न- "मक्षिके" किस शब्द का रूप है?

उत्तर- मक्षिका का द्विवचन

प्रश्न- "बालक" शब्द के षष्ठी विभक्ति एकवचन का रूप बोलें।

उत्तर – बालकस्य

प्रश्न- सेतू किस विभक्ति का रूप है ?

उत्तर - पुल्लिंग शब्द, प्रथमा तथा द्वितीया द्विवचन।

प्रश्न- ग्रामण्यौ किस विभक्ति का रूप है ?

उत्तर - प्रथमा तथा द्वितीया विभक्ति ।

प्रश्न- "यूयं" पद किस विभक्ति का रूप है ?

उत्तर - प्रथमा विभक्ति ।

प्रश्न- "क्रीडायै" पद किस विभक्ति का रूप है ?

उत्तर - चतुर्थी विभक्ति ।

प्रश्न- वयं नेत्राभ्यां पश्यामः इस वाक्य में नेत्राभ्यां किस विभक्ति का रूप है ?

उत्तर - तृतीया विभक्ति ।

प्रश्न- बालिकाः उत्साहेन क्रीडन्ति इस वाक्य में उत्साहेन किस विभक्ति का रूप है ?

उत्तर - तृतीया विभक्ति ।

इसी तरह - प्रतिभागी (प्रथमा), अनेकानि (प्रथमा तथा द्वितीया), तानि (प्रथमा तथा द्वितीया), स्नानाय (चतुर्थी), बालकान् (द्वितीया), नायकम् (द्वितीया), सैनिकानाम् (षष्ठी बहुवचन), अश्वात् (पञ्चमी एकव.), याने (सप्तमी), त्वम् (प्रथमा) राज्ञाम् (षष्ठी), विदुषोः (षष्ठी), आत्मनः (द्वितीया बहुवचन, पञ्चमी षष्ठी एकवचन), मात्रे (चतुर्थी), वाचा (तृतीया), नाम्नाम् (षष्ठी), मनस्सु (सप्तमी), अमूषाम् (षष्ठी), एतस्याम् (सप्तमी), अमुष्मै (चतुर्थी), दीर्गान् (द्वितीया), शोभनेन (तृतीया),

विशेष्य और विशेषण ज्ञान

प्रश्न- पथिकः वृक्षस्य शीतलायां छायायां तिष्ठति इस वाक्य में कौन विशेष्य तथा कौन विशेषण पद है ?

उत्तर - जलं विशेष्य तथा शीतलायां छायायां विशेषण पद है ।

प्रश्न- वीराणां पुरुषाणां प्रशंसा सर्वत्र भवति इस वाक्य में कौन विशेष्य तथा कौन विशेषण पद है ?

उत्तर - पुरुषाणां विशेष्य तथा वीराणां विशेषण पद है ।

प्रश्न- रामः भरतात् ज्येष्ठतरः आसीत् इस वाक्य में कौन विशेष्य तथा कौन विशेषण पद है ?

उत्तर - रामः विशेष्य तथा ज्येष्ठतरः विशेषण पद है ।

प्रश्न- "आम्रं मधुरम्" अस्ति में कौन विशेषण पद है ?

उत्तर – मधुरम् ।

प्रश्न– "मधुरम् अस्ति" में कौन विशेषण पद है ?

उत्तर - मधुरम्

प्रश्न- "मुकुलः प्रांशुः अस्ति" में कौन विशेषण पद है?

उत्तर - प्रांशुः

प्रश्न –"पर्यटकाः साधवः सन्ति" में कौन विशेषण पद है?

उत्तर – साधवः

प्रश्न –"नीलानि पुष्पाणि रोचन्ते" में कौन विशेषण पद है?

उत्तर – नीलानि

प्रश्न –"नारिकेलफलं बहिस्तः कठोरं भवति" में कौन विशेषण पद है?

उत्तर – कठोरम्

प्रश्न –"कृशाः बालिकाः बलिष्ठाः न सन्ति" में कौन विशेषण पद है?

उत्तर – कृशाः, बलिष्ठा

प्रश्न –"कृषकाः उन्नतायां भूमौ आढकीवीजानि वपन्ति" में कौन विशेषण पद है?

उत्तर – उन्नतायां

प्रश्न –"दुष्टाः नराः दण्डनीयाः" में कौन विशेष्य पद है?

उत्तर – नराः

प्रश्न –"श्रेष्ठाः जनाः आदरणीयाः भवन्ति" में कौन विशेष्य पद है?

उत्तर – जनाः

इसी प्रकार अधोलिखित विशेष्य-विशेषण पूछें ।

कृष्णः पीतम् अम्बरं धरति। (विशेष्य- अम्बरम्, विशेषण- पीतम्)

कृष्णः पीतम् अम्बरं धरति। (विशेष्य- अम्बरम्, विशेषण- पीतम्)

महता उत्साहेन कार्यं कुरु। (विशेषण- महता, उत्साहेन - विशेष्यम्)

प्रियं भारतं मे सदा वन्दनीयम्। (विशेष्य- भारतम् , विशेषण- प्रियं)

युधिष्ठिरः उद्विग्नः अभवत्। (विशेष्य- युधिष्ठिरः, विशेषण- उद्विग्नः)

बालिकाः सबलाः स्युः। (विशेष्य- बालिकाः, विशेषण- सबलाः)

संकेत-

शस्यश्यामलां धरित्रीम् । **धूलधूसरिताः बालकाः** । अये **पुण्ये** गङ्गे । **शुभा** भारतधरा । गङ्गायाः **गभीरे** नीरे । **विपुलेन** भुजद्वयेन । **निर्धनो** जनः धनमुपार्जितवान् । **प्रीताभ्यः** प्रकृतिभ्यः राजानः प्रतिप्रियमिच्छन्ति।

वाक्य में आये सर्वनाम पद को बतायें-

युष्माकं गृहं कुत्र अस्ति ? इस वाक्य में सर्वनाम पद कौन है?

उत्तर- युष्माकं

तस्य बालकस्य किं नाम अस्ति ? (तस्य)

यस्य चित्ते दया भवति, सः साधुः भवति । (यस्य, सः)

तस्मै बालकाय दुग्धं वितर । (तस्मै)

एतानि पुस्तकानि मह्यं यच्छ । (एतानि, मह्यं)

कः तस्यां नगर्यां कः अवसत् ? (तस्यां, कः)

कस्मिश्चिद् नगरे एकः ब्राह्मणः वसति स्म। (कस्मिश्चिद्, एकः)

कस्यचिद् नृपस्य हस्ती मरणासन्नः आसीत्। (कस्यचिद्)

सः तस्मै विप्राय धेनुं ददाति । (सः तस्मै)

कस्यचित् बालिकायै फलं यच्छ । (कस्यचित्)

निर्धनो जनः किञ्चिद् धनमुपार्जितवान् । (किञ्चिद्)

कश्चन चौरः गृहाभ्यन्तरं प्रविष्टः । (कश्चन)

रक्षापुरुषः चौरोऽयमिति प्रख्याप्य कारागारे प्राक्षिपत् । (अयम्)

पर्यायवाची शब्द में लिंगगत या अर्थगत भिन्नता ज्ञात करना-

आपः, वारि, तोयम्, उदकम्, नीरम्, सलिलम्।

वाक्य में आये संख्यावाची पद को बतायें-

प्रश्न- चत्वारः सिंहाः भ्रमन्ति इस वाक्य में संख्यावाचक पद कौन है ?

उत्तर - चत्वारः संख्यावाचक पद है ।

प्रश्न- एका पिपीलिका याति इस वाक्य में संख्यावाचक पद कौन है ?

उत्तर - एका संख्यावाचक पद है ।

प्रश्न- षट् दिनानि वर्षा अभवत्। (उत्तर - षट्)

प्रश्न- षोडशवर्षीयः बालकः दशमकक्षायां पठति। (षोडशवर्षीयः, दशमकक्षायां)

प्रश्न- एको ना विंशतिः नार्यः वापीं स्नातुमितो गताः। (एकः, विंशतिः)

प्रश्न- राष्ट्रध्वजे त्रयः वर्णाः भवन्ति। (त्रयः)

प्रश्न- नवविंशतिः के पश्चात् कौन सी संख्या आती है? (विंशतिः)

प्रश्न- एकोनविंशतिः के पहले कौन सी संख्या आती है? (अष्टादश)

प्रश्न- त्रिंशत् त्रिंशतिः इनमें से कौन संख्यावाचक पद क्या शुद्ध है? (त्रिंशत्)

प्रश्न- एकपक्षे पञ्चदश अहोरात्रं भवति इसमें संख्यावाची पद कौन सा है? (एकपक्षे, पञ्चदश)

प्रश्न- चतुर्विंशतिहोराभिः दिनमेकं भवति। यहाँ किस पद से संख्या का बोध हो रहा है? (चतुर्विंशतिहोराभिः)

6. क्रिया एवं धातु ज्ञान तिङन्त (क्रिया-पद) की पहचान

लट् लकार (वर्तमान काल) – धातु: पठ् (पढ़ना)

पुरुष	वचन	वाक्य
प्रथम	एकवचन	सः पुस्तकम् पठति।
प्रथम	द्विवचन	तौ ग्रन्थम् पठतः।
प्रथम	बहुवचन	ते श्लोकान् पठन्ति।
मध्यम	एकवचन	त्वं पाठशालायां पठसि।
मध्यम	द्विवचन	युवाम् पुस्तकानि पठथः।
मध्यम	बहुवचन	यूयं पाठं पठथ।
उत्तम	एकवचन	अहं संस्कृतं पठामि।
उत्तम	द्विवचन	आवां पाठं पठावः।
उत्तम	बहुवचन	वयं श्लोकान् पठामः।

लङ् लकार (भूतकाल) – धातुः गम् (जाना)

पुरुष	वचन	वाक्य
प्रथम	एकवचन	सः गृहम् अगच्छत्।
प्रथम	द्विवचन	तौ विद्यालयम् अगच्छताम्।
प्रथम	बहुवचन	ते उपवनम् अगच्छन्।
मध्यम	एकवचन	त्वं पुस्तकालयम् अगच्छः।
मध्यम	द्विवचन	युवाम् गृहं अगच्छतम्।
मध्यम	बहुवचन	यूयं वनं अगच्छत।

उत्तम	एकवचन	अहं कक्षायाम् अगच्छम्।
उत्तम	द्विवचन	आवां ग्रामम् अगच्छाव।
उत्तम	बहुवचन	वयं नदीतीरम् अगच्छाम।

लृट् लकार (भविष्यत् काल) – धातु: दा (देना)

पुरुष	वचन	वाक्य
प्रथम	एकवचन	सः पुस्तकं दास्यति।
प्रथम	द्विवचन	तौ फलानि दास्यताम्।
प्रथम	बहुवचन	ते जलं दास्यन्ति।
मध्यम	एकवचन	त्वं कन्दुकं दास्यसि।
मध्यम	द्विवचन	युवाम् आहारं दास्यथः।
मध्यम	बहुवचन	यूयं पुस्तके दास्यथ।
उत्तम	एकवचन	अहं तुभ्यं ग्रन्थं दास्यामि।
उत्तम	द्विवचन	आवां मित्राय दास्यावः।
उत्तम	बहुवचन	वयं जनाय साहाय्यं दास्यामः।

अधोलिखित में से भविष्यत् काल तथा वर्तमान काल में रूप बताइये

1. गमिष्यथ → गच्छथ
2. आगमिष्यामि → आगच्छामि
3. श्रोष्यानि → शृणोमि
4. वदिष्यसि → वदसि
5. पठिष्यति → पठति
6. लेखिष्यतः → लिखतः
7. पास्यसि → पिबसि
8. खादिष्यन्ति → खादन्ति
9. द्रक्ष्यावः → पश्यावः
10. नेष्यामि → नयामि
11. चलिष्यामः → चलामः
12. वसिष्यानि → वसामि
13. ज्ञास्याति → जानाति
14. प्रक्ष्यतः → पृच्छतः
15. उपवेक्ष्यासि → उपविशसि
16. दास्यथ → ददथ

अधोलिखित का लङ् लकार (भूतकाल) तथा लृट् लकार (भविष्यत् काल) में रूप बताइये

धातु (अर्थ)	**लङ्**	**लृट्**
दा-ददाति (देता है)-	अददात्	दास्यति
क्री- क्रीणाति (खरीदता है)-	अक्रीणात्	क्रेष्यति,
चुर् - चोरयति (चुराता है)-	अचोरयत्	चोरयिष्यति
रुद – रोदिति (रोता है)-	अरोदत्, अरोदीत्	रोदिष्यति
ब्रू-ब्रवीति (बोलता है)-	अब्रवीत्	वक्ष्यति
दुह् - दोग्धि (दुहता है)-	अधोक् अधोग्	धोक्ष्यति
इष्- इच्छति (चाहता है)-	ऐच्छत्	एषिष्यति
कथ्- कथयति (कहता है)-	अकथयत्	कथयिष्यति
नी–नयति (ले जाता है)-	अनयत्	नेष्यति
जागृ- जागर्ति (जागता है)-	अजागरत्	जागरिष्यति

धातु (अर्थ)	**लृट्**	**लङ्**
जागृ- जागर्ति (जागता है)-	जागरिष्यति	अजागरत्
अद्-अत्ति (खाता है),	अत्स्यति	आदत्
भी - बिभ्यति (डरता है),	भेष्यति	अबिभेत्
अर्च्-अर्चति (पूजता है),	अर्चिष्यति	आर्चत्
अर्ज्-अर्जति (कमाता है),	अर्जिष्यति	आर्जत्
अश्- अश्नाति (खाता है),	अशिष्यति	आश्नात्
अस्-अस्यति (फेंकता है),	असिष्यति	आस्यत्
आप्-आप्नोति (पाता है),	आप्स्यति	आप्नोत्
आप्- आपयति (पहुँचाता है),	आपयिष्यति	आपयत्
ईर्ष्य – ईर्ष्यति (ईर्ष्या करता है),	ईर्ष्यिष्यति	ऐर्ष्यत्
कुप्- कुप्यति (क्रोध करता है),	कोपिष्यति	अकुप्यत्
गण्-गणयति (गिनता है),	गणयिष्यति	अगणयत्
जप्-जपति (जपता है),	जपिष्यति	अजपत्
जीव्— जीवति (जीता है),	जीविष्यति	अजीवत्
जॄ- जीर्यति (वृद्ध होता है),	जरीष्यति,जरिष्यति	अजीर्यत्
ज्वल्-ज्वलति (जलता है),	ज्वलिष्यति	अज्वलत्
तड् - ताडयति (पीटता है),	ताडयिष्यति	अताडयत्
तन्- तनोति (फैलाता है),	तनिष्यति	अतनोत्

अधोलिखित वाक्य में आये लट् लकार को लङ् लकार में। लृट् को लट् लकार में तथा लङ् को लृट् लकार में परिवर्तित करें।

इदं चित्रं पाठशालायाः वर्तते ।

1. लट् लकार को लङ् लकार में:

इदं चित्रं पाठशालायाः अवर्तत।

2. लृट् लकार को लट् लकार में:

(यदि मूल वाक्य में लृट् लकार होता तो इसे बदलते, परंतु यहां लृट् नहीं है।)

3. लङ् लकार को लृट् लकार में:

इदं चित्रं पाठशालायाः भविष्यति।

पिपीलिका बालकः च गृहं गच्छतः।

मुदितमनाः मनुष्याः आगच्छन्ति ।

बालकः भोजनं खादति।

मम पुत्रः क्रीडति।

तत्र पुष्पं पतति।

शिष्यः पाठं स्मरति।

अहं गङ्गाजलम् एव नेष्यामि ।

नृपः राज्यं जयति।

एककिलोपरिमितं मह्यं मिष्टान्नं ददातु ।

पुत्रः पितरं अनमत् । (नंस्यति)

बालकः सूर्यं चन्द्रं च पश्यति।

शिष्यः उपाध्यायं कथयति।

बालकः पुस्तकं नयति।

चौरः धनं हरति।

कृपणस्य तनयः मिष्टान्नम् आनेतुम् अगच्छत् ।

तनयः कान्दविकम् अकथयत् ।

प्राज्ञः सज्जनः च सत्यं वदतः।

पदों तथा वाक्यों में सर्वनाम का अभिज्ञान एवं परिवर्तन

प्रश्न- "गजः चलति" में गजः के स्थान पर तत् सर्वनाम पद का प्रयोग कर वाक्य बनाएँ

उत्तर - सः चलति।

प्रश्न- "युष्मद्"सर्वनाम का प्रथमा बहुवचन रूप बताइए ?

उत्तर – यूयम्

प्रश्न –"केन" पद किस सर्वनाम शब्द का रूप है ?

उत्तर – किम्

प्रश्न - "येषाम्" पद किस सर्वनाम का रूप है ?

उत्तर – यत्

प्रश्न – "सर्वेषाम्" किस सर्वनाम के किस लिङ्ग का रूप है ?

उत्तर – सर्व पुंल्लिंग/नपुंसकलिंग

प्रश्न- "बालिकाः पठन्ति", यहाँ बालिकाः के स्थान पर एतत् सर्वनाम पद का प्रयोग करके वाक्य बनाएँ?

उत्तर – एताः पठन्ति ।

प्रश्न- "छात्रौ क्रीडतः", यहाँ छात्रौ के स्थान पर किम् सर्वनाम का प्रयोग करके वाक्य बनाएँ?

उत्तर – कौ क्रीडतः

प्रश्न- यत् सर्वनाम स्त्रीलिङ्ग षष्ठी विभक्ति बहुवचन में क्या रूप होगा ?

उत्तर – यासाम्

प्रश्न –"मीरा वाणी माया च चलचित्रं पश्यन्ति", इस वाक्य में मीरा वाणी माया के स्थान पर तत् सर्वनाम पद का प्रयोग करके वाक्य बनाए ?

उत्तर – ताः चलचित्रं पश्यन्ति ।

प्रश्न –"माधुरी मम मित्रम् अस्ति", इस वाक्य में माधुरी के स्थान पर एतत् सर्वनाम का प्रयोग कर सर्वनाम बनाए ?

उत्तर – एषा मम मित्रम् अस्ति ।

प्रश्न – "मह्यम् आम्रं रोचते", इस वाक्य में आम्रम् के स्थान पर इदम् सर्वनाम का प्रयोग करके वाक्य बनाए ?

उत्तर – मह्यम् इदं रोचते ।

अव्यय से सम्बन्धित प्रश्न

प्रश्न - दो शब्दों को जोड़ने वाला कोई 2 योजक अव्यय शब्द बताइये।

उत्तर - तथा, एवं, च

प्रश्न - समय सूचक 3 अव्यय शब्द बताइये।

उत्तर - अद्य, ह्यः, प्रातः, सायं

प्रश्न - प अक्षर से आरंभ होने वाला 2 अव्यय शब्द बोलिए।

उत्तर - प्रायस्, प्रातः, प्रवाहुकम्, प्रवाहिका, प्रताम् , प्रशान्, प्रतान्, पिधानम्।

वाक्य में सर्वनाम, अव्यय तथा क्रियापद को पहचानना

प्रश्न - अहमपि कदलीफलं खादामि इस वाक्य में सर्वनाम, अव्यय तथा क्रियापद बताइये

उत्तर - अहम् (सर्वनाम) अपि (अव्यय) खादामि (क्रिया)

प्रश्न – एतौ बालकौ कुत्र गच्छतः इस वाक्य में सर्वनाम, अव्यय तथा क्रियापद बताइये

उत्तर - एतौ (सर्वनाम) कुत्र (अव्यय) गच्छतः (क्रिया)

प्रश्न – मम पुरतः भगवद्गीता रामायणं च स्तः इस वाक्य में सर्वनाम, अव्यय तथा क्रियापद बताइये

उत्तर - मम (सर्वनाम) पुरतः च (अव्यय) स्तः (क्रिया)

प्रश्न - रामायणी कथा एव तुभ्यं रोचते इस वाक्य में सर्वनाम, अव्यय तथा क्रियापद बताइये

उत्तर - तुभ्यं (सर्वनाम) एव (अव्यय) रोचते (क्रिया)

प्रश्न - वयं सगौरवं तान् हि स्मरामः इस वाक्य में सर्वनाम, अव्यय तथा क्रियापद बताइये

उत्तर - वयं तथा तान् (सर्वनाम) हि (अव्यय) स्मरामः (क्रिया)

⏭ **अगला चरण – "वाक्य निर्माण"**

अधोलिखित तिङन्त पद से वाक्य निर्माण करें

गच्छति, श्रृणोमि, वदामि, पठामि, लिखसि, पिबावः, खादामः, पश्यामि, नयावः, इच्छामि, चलसि, वसामि, जानामि, पृच्छामि, पचामि, उपविशानि, ददासि, कथयामि, हसथः, स्मरसि,

1. नृत्यतः – युवां मंचे नृत्यतः।
2. गायामि – अहं गीतं गायामि।
3. तिष्ठन्ति – छात्राः कक्षायां तिष्ठन्ति।
4. क्षिपति – बालकः कन्दुकं क्षिपति।
5. अटन्ति – पर्यटकाः नगरे अटन्ति।
6. भ्रमामः – वयं वनं भ्रमामः।
7. नमति – भक्तः देवाय नमति।
8. जीवामि – अहं सुखेन जीवामि।
9. यच्छामि – अहं मित्राय मिष्ठान्नं यच्छामि।
10. धावामः – वयं मार्गे धावामः।
11. रोदथ – युवां दुःखात् रोदथ।
12. क्रीड़ामि – अहं उद्याने क्रीडामि।
13. क्रीणामि – अहं फलानि क्रीणामि।
14. तरामि – अहं नदीं तरामि।
15. धारयामि – अहं छत्रं धारयामि।
16. बिभेमि – अहं अंधकारात् बिभेमि।
17. अस्मि – अहं छात्रः अस्मि।

अधोलिखित शब्दों से एक - एक वाक्य बनायें-

वक्तुम्, गन्तुम्, कर्तुम्, खादितुम्, पातुम्, पठितुम्, श्रोतुम्, पठितुम्, दातुम्, मेलितुम्, द्रष्टुम्। अह्वा । मुहुर्मुहुः । अन्यथा । यावत् । तदा । हे मित्र! एषा । जननी । ज्वरपीडिता । त्वया । पुरा । अस्याः सेवा । प्रायशः । कर्तव्या । तव । किं । त्वम् । न । प्राध्यापकः । तर्हि । तव । महाभारतस्य । कति । दिनानि । त्रयोदशे । भारतस्य विजयाय । तस्मिन् । सः । सा । काले । सतीशस्य । मित्र । मुकुलः । अपि । मनोविनोदाय । ज्वरेण । ताम् । कुतः । मित्रैः । चित्वा । (प्रष्टुम् = पूछना), (लेखितुम् = लिखना), (हसितुम् = हँसना), (आगन्तुम् = आना), (नेतुम् = ले जाना), (आनेतुम् =

लाना), (जेतुम् = जीतना), (गातुम् = गाना), (धावितुम् = दौड़ना), (रचयितुम् = बनाना), (निवसितुम् = रहना) प्रतिग्रहीतुम् (स्वीकार करने हेतु) आदि तुमुन् प्रत्ययान्त धातु से वाक्य बनायें ।

प्रश्न - अधोलिखित अव्यय युक्त पदों से वर्तमान काल, भूत काल तथा भविष्यत् काल का वाक्य बनायें।

सहसा । विना । नाना । स्वस्ति । अलम् । अन्यत् । मृषा । मिथ्या । पुरा । प्रायः । साकम् । सार्धम् । नमः । धिक् । अथ । आम् । च । वा । एव । एवम् । नूनम् । चेत् । चण् । हे । भोः । अये ।

उत्तर- तौ सहसा कार्यं न कुरुतः। सः सहसा अब्रवीत् आदि।

प्रश्न - अधोलिखित अव्यय के साथ प्रश्नवाचक वाक्य बनायें ।

सहसा । विना । नाना । अलम् । अन्यत् । मृषा । मिथ्या । प्रायः । साकम् । सार्धम् । च । वा । एव । एवम् । नूनम् । हे । भोः । अये ।

तिङन्त पद से वाक्य निर्माण (1 से 5 पद तक का)

प्रश्न- अचिन्तयत् से दो पद वाला वाक्य बनायें ।

उत्तर - सः अचिन्तयत् ।

प्रश्न- मोचयिष्यति से दो पद वाला वाक्य बनायें ।

उत्तर - धाता मोचयिष्यति ।

प्रश्न- इच्छसि क्रिया पद के साथ अव्यययुक्त तीन पद वाला वाक्य बनायें ।

उत्तर - त्वं किं इच्छसि ।

नोट- एकतिङ्वाक्यम् नियम के अनुसार सभी तिङन्त पद वाक्य है। पठति खेलति खादति पचति, अगच्छत् पठिष्यति आदि।

प्रश्न- एक पद वाला वाक्य बोलिए ।

उत्तर - लिखति ।

प्रश्न- "एकदा" इस सुबन्त पद को लेकर 4 पद का एक वाक्य बनायें-

उत्तर - एकदा काकः आकुलः आसीत् ।

प्रश्न- "वस्त्रपुटके" इस सुबन्त पद को लेकर 5 पद का एक वाक्य बनायें-

उत्तर - वस्त्रपुटके रूप्यकाणां अतीव आवश्यकता आसीत् ।

प्रश्न- प्रथमा तथा चतुर्थी विभक्ति युक्त तीन पदों वाला एक वाक्य बनायें.-

उत्तर - गीता शिष्याय पुस्तकं ददाति।

प्रश्न- तैः सह युक्त चार पदों वाला एक वाक्य बनायें.-

उत्तर - तैः सह सम्मेलने आसम् ।

वाक्य बनायें-

केचन ईदृशाः ...। अयोध्यायां रामस्यैव ...। प्रेरणया सदा ... । .. रामसम्बन्धीनि नाटकानि अभिनीयन्ते। तस्मिन्नवसरे समागतेभ्यः ..। एकः अपरः एव... । तत्रत्ये विद्यालये ..। पशुपक्षिणां सुरक्षायै ... ।

प्रश्नवाचक शब्द से वाक्य बनायें

कः, किम्, कदा, कथम्, किमर्थम्, केन, कुत्र ।

1. कः –

- कः बालकः पठति?
- कः शिक्षकः अस्माकं विद्यालये अस्ति?

2. किम् –

- किम् त्वं खादसि?
- किम् गृहे अस्ति?

3. कदा –

- कदा सः विद्यालयं गच्छति?
- कदा वर्षा आगच्छति?

4. कथम् –

- कथम् त्वं इदं कर्म कुर्वसि?
- कथम् गजः नदीं तरति?

5. किमर्थम् –

- किमर्थम् त्वं क्रीडितुम् इच्छसि?
- किमर्थम् सः नगरं गच्छति?

6. केन –

- केन मार्गे वाहनं गच्छति?
- केन बालकः पुस्तकम् लिखति?

7. कुत्र –

- कुत्र रामः वसति?
- कुत्र मेघाः विद्यन्ते?

अधोलिखित उपसर्गयुक्त लट् लकार के क्रियापद को लङ् लकार में परिवर्तित कर वाक्य निर्माण करें-

लट् लकार	**लङ् लकार**
आगच्छति	आगच्छत्
प्रतिगच्छति	प्रत्यगच्छत्
अनुगच्छति	अन्वगच्छत्
अवगच्छति	अवागच्छत्
निर्गच्छति	निरगच्छत्
अवचिनोति	अवाचिनोत्
निश्चिनोति	निरचिनोत्

अधोलिखित क्रियापद से उपसर्गयुक्त वाक्य का निर्माण करें

उदाहरण - अत्र बालिकाः उत्साहेन परिक्रीडन्ति । ताः अध्ययनाय एव अनुगच्छन्ति ।

आगच्छति, प्रक्षालयामि, क्रीडन्ति, गुञ्जन्ति, नयन्ति, पतन्ति, धावन्ति, गच्छामः, गच्छथ, भवन्ति, कूजति, सिञ्चति, विकसतः, लभ्यन्ते।

1. आगच्छति - अत्र अध्यापकः पाठशालां प्रति आगच्छति।

2. प्रक्षालयामि - गृहं स्वच्छतायै जलेन प्रक्षालयामि।

3. क्रीडन्ति - बालकाः उत्साहेन परिक्रीडन्ति।

4. गुञ्जन्ति - वृक्षेषु पिकाः माधुर्यपूर्णं स्वरं संगुञ्जन्ति।

5. नयन्ति - सेवकाः ग्रन्थालयं प्रति पुस्तकैः सह आनयन्ति।

6. पतन्ति - पतङ्गाः दीपस्य ज्योत्यः समीपे आपतन्ति।

7. धावन्ति - वीरः रणभूम्याम् अतिधावन्ति।

8. गच्छामः - अस्माकं परिवारः तीर्थं प्रति संगच्छामः।

9. गच्छथ - यूयं क्रीडायै उद्यानं प्रति प्रतिगच्छथ।

10. भवन्ति - साधवः सदा धर्मे स्थिताः अभिभवन्ति।

शब्द शुद्धि (पंडित परीक्षा)

सर्वनाम किम् शब्द तथा अव्यय किम् शब्द में क्या अन्तर है?

अशुद्ध वाक्य	**शुद्ध वाक्य**
किं ताः मधुराणि फलानि ?	किं तानि मधुराणि फलानि ?
सः कदलीफलं अस्ति।	तत् कदलीफलं अस्ति।
एतत् करवस्त्राणि सन्ति।	एतानि करवस्त्राणि सन्ति।
सः गुरुं नमन्ति	सः गुरुं नमति ।
मधु पुष्पेषु भवसि	मधु पुष्पेषु भवति ।
त्वं कथं क्रीडति?	त्वं कथं क्रीडसि ?
यूयं कुत्र गच्छति?	यूयं कुत्र गच्छथ ?
फलानि के ददाति?	फलानि के ददति?
अहं गच्छति ।	अहं गच्छामि ।
इदं महा वैज्ञानिकः अस्ति	अयं महान् वैज्ञानिकः अस्ति ।
धेनवः कदा गच्छति ।	धेनवः कदा गच्छन्ति ।
अहं प्रतिदिनं भोजनं करोति।	अहं प्रतिदिनं भोजनं करोमि।
के आगच्छति	के आगच्छन्ति ?
एते तस्य पुस्तकाः अस्ति ।	एतानि तस्य पुस्तकानि सन्ति ।
पश्चिमदिशि अरबसागरः अस्ति ।	पश्चिमदिशायां अरबसागरः अस्ति ।
त्रिषु दिशासु समुद्रतटाः अस्ति ।	तिसृषु दिशासु समुद्रतटाः सन्ति ।
त्रयाणां सागरस्य सङ्गमः भवति।	त्रयाणां सागराणां सङ्गमः भवति।